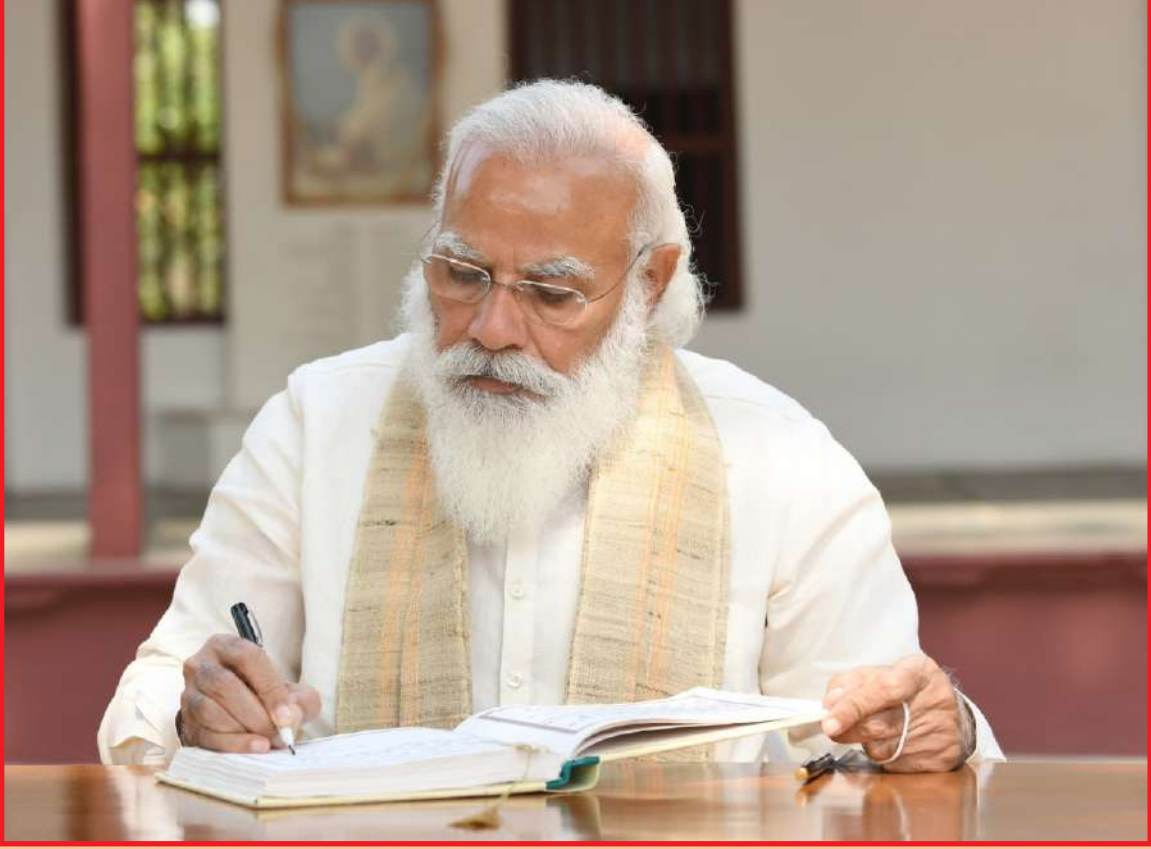




नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र  
Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)



“पद्माकरं दिनकरो विकचीकरोति,  
चन्द्रो विकासयति कैरवचक्रवालम् ।  
नाभ्यर्थितो जलधरोऽपि जलं ददाति,  
संत स्वयं परहिते सुकृताभियोगः ॥

—नीतिशतक, भर्तृहरि

बिना याचना किये सूर्य पूरे संसार को प्रकाश का दान करता है। चंद्रमा कुमुदिनी को बिना कहे उज्ज्वलता (प्रफुल्लता) प्रदान करता है। कोई प्रार्थना नहीं करता, तब भी बादल वर्षा कर देते हैं। उसी प्रकार संत हृदय (सहृदय) मनुष्य स्वयं ही बिना किसी दिखावे के दूसरों की सहायता करने के लिये सदैव तत्पर रहते हैं।



## MoU

The centre will deal with academic research on the political, cultural and nation work of Prime Minister Narendra Modi's new India vision and former Prime Minister Chandrashekar's idea of India. The institute's purpose is nation-building and dedication to the nation. YBT & CNMS signed a five year agreement for academic research.

**- Padmashri Ram Bahadur Rai**

16 July 2022  
New Delhi



### नरेंद्र मोदी : एक विचारधारा—एक दृष्टि, एक सोच का नाम है!

बिना याचना किये सूर्य पूरे संसार को प्रकाश का दान करता है। चंद्रमा कुमुदिनी को बिना कहे उज्वलता (प्रफुल्लता) प्रदान करता है। कोई प्रार्थना नहीं करता, तब भी बादल वर्षा कर देते हैं। उसी प्रकार संत हृदय (सहृदय) मनुष्य स्वयं ही बिना किसी दिखावे के दूसरों की सहायता करने के लिये सदैव तत्पर रहते हैं।

यह बात जिस तरह सदियों पुरानी है, उसी तरह इस कथन पर खरा उतरनेवाले व्यक्ति सदियों में पैदा होते हैं, जो निरुस्वार्थभाव से परहित और समाजसेवा को अपने जीवन का एकमात्र उद्देश्य बना लेते हैं और उसी के अनुरूप देश, समाज और मानवता की भलाई के लिए अनवरत, अहर्निश लगे रहते हैं, बिना इस बात की परवाह किए कि लोग उनके विषय में क्या सोचेंगे! प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी उसी तरह के व्यक्तित्ववाले एक ऐसे राजनेता कहे जा सकते हैं, जो अपने सोच, कार्य और विचार से अपनी वैश्विक छवि को न केवल शीर्ष पर स्थापित कर चुके हैं, बल्कि अपने व्यापक सोचसंवलित कार्यपद्धति से भारत को एक निश्चित दिशा में सतत गतिशील करने का महत् कार्य निरंतर कर रहे हैं! अपने पहले कार्यकाल में भारत के चहुंमुखी विकास की जो सुदृढ़ आधारशिला उन्होंने स्थापित की थी, उस पर प्रगति और विकास का भव्यभवन निर्मित करने की दिशा में वे असीम ऊर्जा और उत्साह के साथ निरंतर संलग्न हैं! भारत जैसे विशाल, बहुभाषी, विविधता से भरे बहुलावादी संस्कृतिवाले देश की अनेक कठिन राष्ट्रीय चुनौतियों के मध्य अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ने का जैसा आत्मविश्वास श्री नरेंद्र मोदी में परिलक्षित होता है, वह उन्हें सबसे अलग स्थान पर प्रतिष्ठित करता है!

गुजरात के मुख्यमंत्री से भारत के प्रधानमंत्री तक की अनथक राजनीतिक यात्रा में श्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कार्यशैली से पूरी दुनिया के शासकों को अनेक बार चौंकाया है! उनके शताधिक निर्णय, शताधिक

ओजस्वी भाषण, देश—विदेश की शताधिक उद्देश्यपूर्ण यात्राएँ मोदी जी की अपरिमित एवं अतुलनीय—अनुपमेय कार्यशैली के प्रमाण कहे जा सकते हैं! आज जिस तरह से विश्व के अधिकतर देशों, अंतरराष्ट्रीय मंचों, संस्थाओं में उनकी लोकप्रियता एवं सर्वस्वीकार्यता बढ़ी है, उससे उनके नेतृत्वकौशल का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। अनेक विरोधों और प्रतिरोधों के बावजूद मोदी जी के प्रतिद्वंद्वी भी उनके बहुत से निर्णयों से न केवल अवाक् रह जाते हैं, वरन् उन्हें स्वीकार करने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं रह जाता, भले ही सार्वजनिक तौर पर स्वीकार न कर पाना उनकी राजनीतिक विवशता हो।

ऐसे में अपनी बहुमुखी कार्यशैली से अपने कुशल नेतृत्वपरक व्यक्तित्व की चतुर्दिक वैश्विक छाप छोड़नेवाले मोदी के विचार और सोच को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपनी वर्तमान तथा आनेवाली पीढ़ी के अवलोकनार्थ एवं विचारार्थ उन्हें सहज कर रखे जाने की न केवल आवश्यकता है, उसके प्रचार और प्रसार की दिशा में सक्रियता से कार्य किए जाने की भी आवश्यकता है!



श्री नरेंद्र मोदी के कार्य एवं व्यवहार को लेकर आज राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न केवल व्यापक चर्चा—परिचर्चा हो रही है, बल्कि उन पर अनेक लेख, कार्यशालाएँ, पुस्तकों का लेखन, उन पर वृत्तचित्र से लेकर फिल्म निर्माण तक किए जा चुके हैं! उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार एवं सम्मान दिए जा चुके हैं! भविष्य में अभी उन्हें न जाने कितनी अगणित उपलब्धियाँ प्राप्त होंगी! इन्हीं सारी बातों के केंद्र में मैं बहुत समय से एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था के स्थापित किए जाने की दिशा में गंभीरता से विचार कर रहा था! एक लंबे सोचविचार, गंभीर चिंतन और व्यापक विचार विमर्श के बाद मैं उसे मूर्तरूप में देखना चाहता हूँ! 'नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र' उसी व्यापक सोच का एक सुचिंतित परिणाम है, जो मोदी जी के संबंध में किए जानेवाले संपूर्ण अध्ययनों को स्वयं में न केवल समाविष्ट करेगा, वरन् उनसे संबंधित पुस्तक लेखन, अध्ययन—शोध, परिसंवाद, परिचर्चा, सेमिनार, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं आदि के लिए प्रमुख अकादमिक केंद्र बनेगा! यह भी सुखद है कि इसकी आधारशिला श्री नरेंद्र मोदी के सत्तरवें (70वें) जन्मदिवस के अवसर पर रखी गई है, जिससे उनके जन्मदिवस की विविध स्मृतियों को भी भव्यता के साथ अक्षुण्ण रखा जा सके!

एक वृहत् सोच के साथ यह एक सामाजिक अभियान है, जिसमें राष्ट्रीय—अंतरराष्ट्रीय स्तर के बुद्धिजीवियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कलाकारों, शिक्षाविदों, समाज सेवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक संस्थाओं आदि की भागीदारी अपेक्षित होगी! आइए, इस अभियान से जुड़कर 'नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र' की विकास यात्रा में अपना सहयोग दें और इसकी गतिविधियों के सुचारु कार्यान्वयन में सक्रिय सहभागी बनें! इस कामना के साथ—

**“निगाहें कामिलों पर पड़ ही जाती हैं जमाने की  
कहीं छुपता है अकबर फूल पत्तों में निहाँ होकर”**

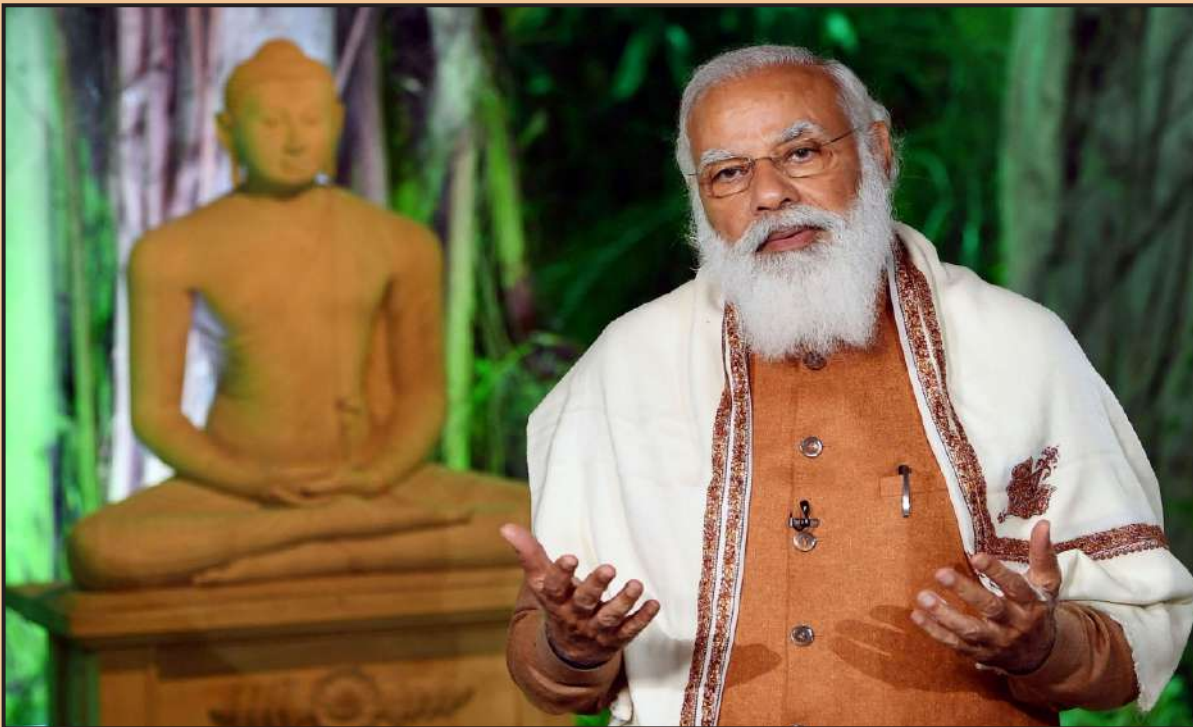


## नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र)

### विजन और मिशन

श्री नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सोच, विचार, उनकी कार्यपद्धति, दृष्टि, पर आधारित साहित्यिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विषयों से संबंधित सामग्री आदि को केंद्र में रखकर गहन शोध और अनुसंधान के साथ अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए एक स्वतंत्र, पारदर्शी निष्पक्ष एवं उद्देश्यपूर्ण अकादमिक, सामाजिक संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा! यह संस्थान संवाद और विमर्श के माध्यम से सकारात्मक समाधान के लिए एक मंच के रूप में स्थापित किया जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श और परिसंवाद करने के लिए देश में उपलब्ध सर्वोत्तम और संभावित संसाधनों से परिपूर्ण चिंतको, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों को एक साथ लाने की पहल करना है। इसके अतिरिक्त शांति और वैश्विक सौहार्द का कारण बनने वाली कोशिशों को बढ़ावा देना भारत की एकता और अखंडता पर असर डालने वाले सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों पर प्रभावी पर्यवेक्षण एवं हस्तक्षेप करना, चरमपंथ के साथ-साथ नीतिगत विकल्पों की पेशकश करने वाले सामाजिक और जातीय संघर्षों के कारणों का विश्लेषण करना, समाज के साथ बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान के लिए संस्थागत समर्थन और परस्पर विरोधी समूहों के बीच संवाद कायम करना, समालोचनात्मक, सार्वजनिक नीति, लोकतांत्रिक संस्थाओं, संवैधानिक निकायों के कार्यों और सार्वजनिक संस्थानों में सुशासन एवं दक्षता के लिए मानक विकसित करना, संस्था के व्यापक उद्देश्य होंगे। ये समस्त उद्देश्य राष्ट्र-निर्माण' संबंधी व्यापक और प्रमुख कार्यों के साथ-साथ उच्च शिक्षा से संबद्ध संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अकादमिक संस्थानों की परिधि में आते हैं। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अनेक अकादमिक निकाय और संस्थाएँ इन उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में व्यापक और गंभीरता से कार्य करने में विफल रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इस तरह की अगंभीरता और अक्षमता के लिए उन निकायों की कार्यप्रणाली जिम्मेदार है। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) का विश्वास और मानना है कि ऐसी कोई संस्था, जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण हैं, तब तक कोई उत्कृष्ट परिणाम नहीं दे सकती, जब तक उसे अकादमिकजगत से संबद्ध बुद्धिजीवी और सिविल सोसाइटी एक-दूसरे के साथ नियमित रूप से जुड़ नहीं जाते हैं। भारतीय लोकतंत्र को मजबूत आधार देने और एक सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में अपनी गहरी आस्था और दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, यह नमो केंद्र इस दिशा में गहन अभिरुचि रखनेवाले देश-विदेश के प्रतिबद्ध लोगों के साथ मिलकर गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान पर सर्वोत्तम करने का प्रयास करेगा! विश्वास और भरोसा है कि इस तरह के अध्ययन और

केंद्र के सकारात्मक प्रयत्नों से शासनव्यवस्था में सुधार होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा को व्यवस्थित और पुख्ता आधार मिल सकेगा। केंद्र के व्यापक कार्यों में भारत की विदेश नीति को देश के दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए एकीकृत करना और संसद और अन्य प्रतिनिधि निकायों के साथ-साथ सार्वजनिक संस्थानों में अपेक्षित कार्यात्मक दक्षता लाना आदि सम्मिलित हैं।



### उद्देश्य:

श्री नरेन्द्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश, भारत) आधारित एक थिंक टैंक है, जो नरेन्द्र मोदी अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में भारत के प्रमुख सुरक्षा विशेषज्ञों, शिक्षकों, सिविल सेवकों और परोपकारी लोगों के सहयोगात्मक प्रयासों के साथ स्थापित किया गया है। नमो केंद्र का उद्देश्य नवीन विचारों के लिए सकारात्मक पहल के साथ उसे एक उत्कृष्ट केंद्र बनना है, जो वैश्विक मामलों में अपनी प्रभावी और सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करते हुए एक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध देश बनाने की दिशा में सहायक हो सके! श्री नरेन्द्र मोदी को न्यू इंडिया का वास्तुकार ( शिल्पकार) माना जाता है। इस केंद्र का उद्देश्य नरेन्द्र मोदी के जीवन, विचारों और उपलब्धियों के साथ-साथ न्यू इंडिया, आत्मानिर्भर भारत, 'सबका साथ- सबका विकास-सबका विश्वास', भारतीय लोकतंत्र, राष्ट्रवाद जैसे विषयों पर अनेक अकादमिक कार्यक्रम आयोजित करना है। यह केंद्र भारतीय विदेश नीति और भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में भारत की स्वतंत्रता के पचहत्तर वर्ष और संविधान के पचहत्तर वर्ष की पूर्णता के क्रम में नरेन्द्र मोदी मॉडल पर एक सेमिनार आयोजित करने का विचार रखता है। इसके अलावा उच्चशिक्षा से

जुड़े विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए कई संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के आयोजन की दिशा में भी पहल करेगा! अगले शैक्षणिक सत्र से, 'नमो केंद्र' नए भारत और आत्मानिर्भर भारत विषयों से संबंधित भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और वर्तमान समस्याओं के आलोक में भारतीय लोकतंत्र को आधार बनाकर अल्पावधि पाठ्यक्रम आरंभ करने की योजना बना रहा है। केंद्र क्रेडिट सिस्टम की वर्तमान योजना में कुछ अंतर—अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम भी प्रस्तुत कर सकता है। नमो केंद्र विविध प्रकाशनों को भी सामने लाना चाहता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत युगों से ज्ञान का केंद्र रहा है। इस ज्ञान भंडार को वेद, पंचतंत्र और चिकित्सा, खगोल विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान, तर्क आदि पर कई ग्रंथों के रूप में देखा और पढ़ा जा सकता है, जो भारत कहे जाने वाले राष्ट्र की शक्ति की गवाही देते हैं। दुनिया की कुछ सबसे पुरानी भाषाएं देश में बोली जाती हैं। यह सब इंगित करता है कि भारत एक राष्ट्र के रूप में दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है, क्योंकि शास्त्रीय जलाशय के इस फव्वारे से अभिनव विचार उभर सकते हैं, जो निश्चित रूप से विश्व को एक दिशा देने का कार्य करेंगे।

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), अकादमिक गतिविधियों को स्वीकार करते हुए इस तरह के मामलों में इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के उद्देश्य के लिए निर्धारित है, जो बिंदुवत इस तरह रखे जा सकते हैं।

(अ) नरेंद्र मोदी द्वारा प्रवर्तित राष्ट्र—निर्माण के मॉडल के विषय में गंभीर और व्यापक शोध—अनुसंधान करना।

(इ) धर्मनिरपेक्षता, उदार लोकतंत्र, गुटनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की अवधारणा के मापदंडों को परिभाषित करते हुए, नीति निर्माताओं के परिप्रेक्ष्य में नरेंद्र मोदी की नीति निर्माण विषयक अवधारणाओं के अधिक प्रभावी एवं सक्षम बनाने की दिशा में कार्य करना।

(ब) इस क्षेत्र में काम करने वाले स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों के साथ अंतर्संबंध स्थापित करने के साथ ही नीति निर्धारकों और सार्वजनिक अपेक्षाओं के लिए बेहतर डेटा उपलब्ध करवाना!

*“अर्श से आगे निकल जाँ हवाए— शौक में  
कम—से—कम ये रफ़त—ए—पर्वाज़ होनी चाहिए”*







### नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) की विशेषज्ञा (थ्रस्ट एरिया) का क्षेत्र—

1. राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक अध्ययन
2. अंतर्राष्ट्रीय संबंध / कूटनीति
3. पड़ोसी देशों का अध्ययन
4. शासन और राजनीतिक अध्ययन
5. आर्थिक अध्ययन
6. तकनीकी और वैज्ञानिक अध्ययन
7. ऐतिहासिक और सभ्यता संबंधी अध्ययन
8. नरेंद्र मोदी का राजनीतिक दर्शन।
9. न्यू इंडिया में मोदी और डेमोक्रेसी का विकास।
10. नरेंद्र मोदी और अंतरराष्ट्रीय राजनीति।
11. नरेंद्र मोदी और नवभारत का निर्माण एवं विकास।
12. नरेंद्र मोदी की राष्ट्रऋषि की छवि एवं उनका निर्भ्रान्त व्यक्तित्व।
13. नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और भारतीय युवा।
14. नरेंद्र मोदी का सामाजिक दर्शन।
15. नरेंद्र मोदी और भारतीय अल्पसंख्यक समुदाय एवं हासियाकृत समाज।
16. कोविड का वैश्विक संकट एवं नरेंद्र मोदी की पहल।
17. नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का जनमानस पर प्रभाव।
18. नरेंद्र मोदी की वैश्विक छवि एवं विश्व की राजनीति पर उसका प्रभाव।

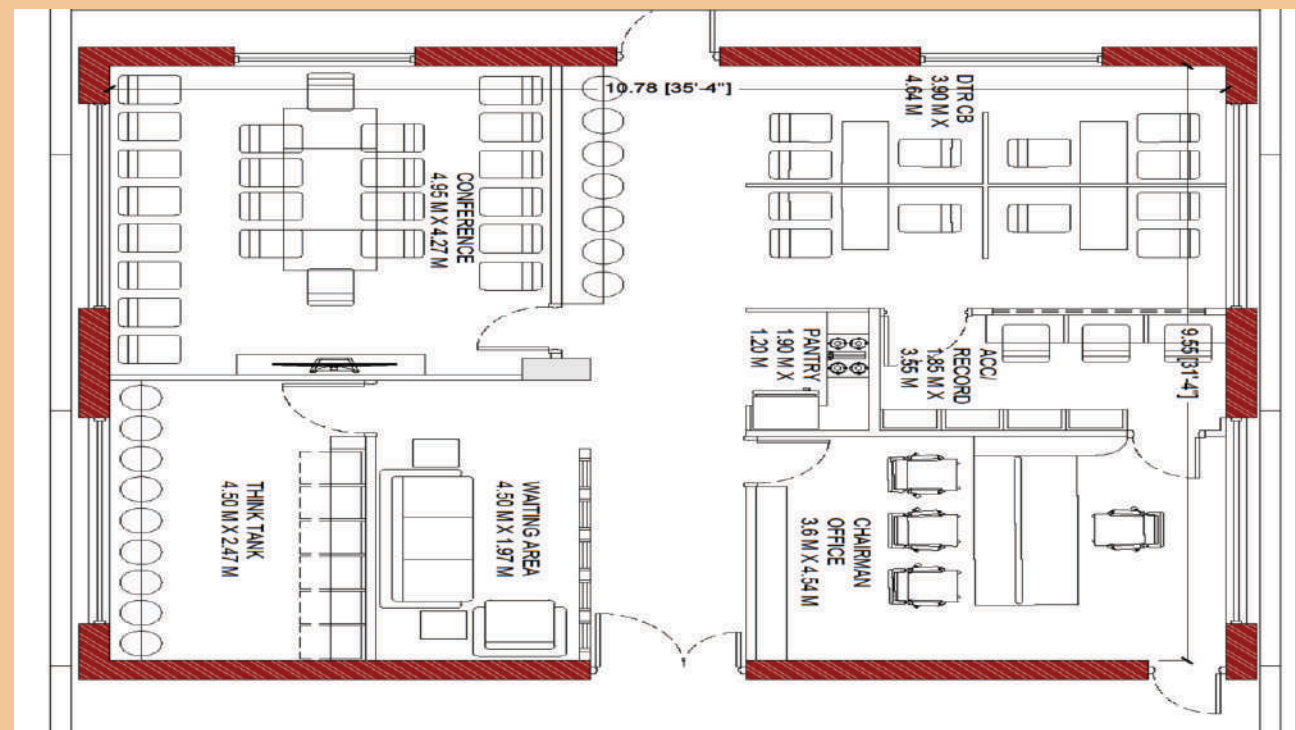
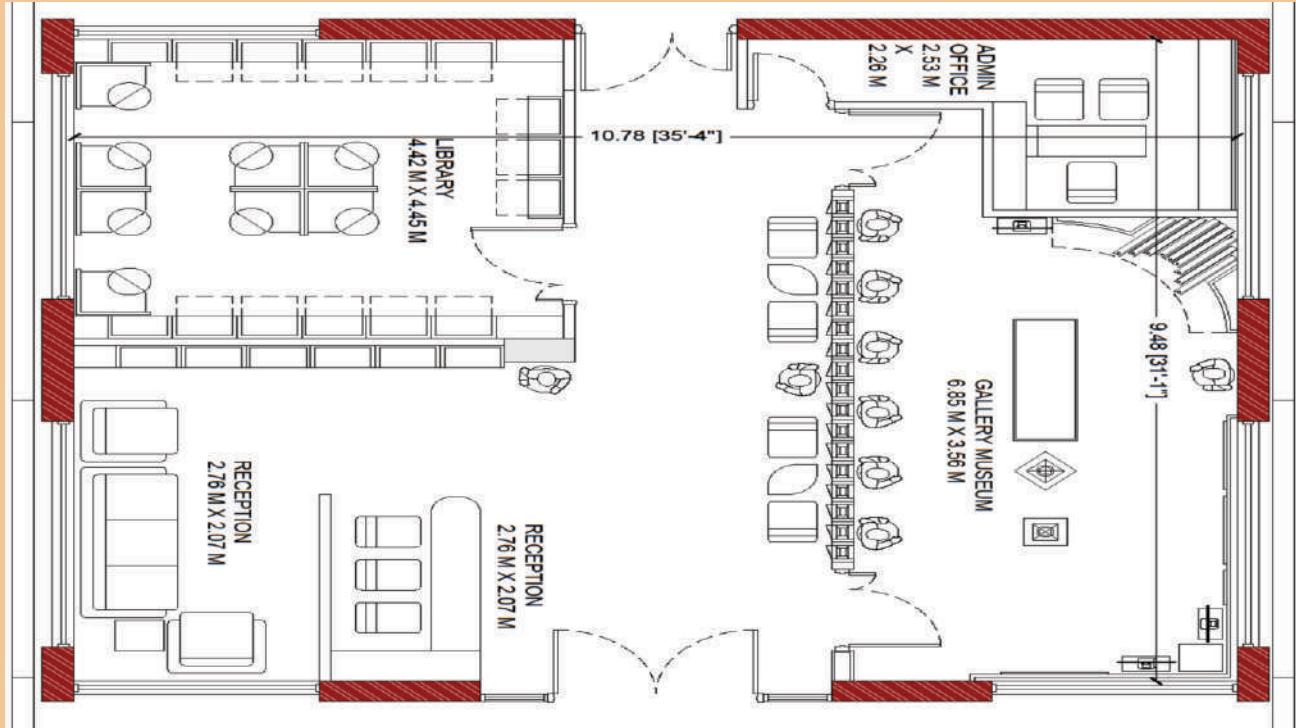
# RESEARCH CENTRE IN DELHI



**Yuva Bharti Trust (YBT)**

**Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)**

Chandrashekhar Bhawan: 13 B, Vishnu Digamber Marg,  
Deen Dayal Upadhyay Marg (Rouz Avenue), New Delhi-110001 (INDIA)





# Centre for Narendra Modi Studies Research Centre in Aligarh

Study Centre: 'NaMo Kendra', Qila Enclave, Ramgarh-Panjoopur,  
Aligarh-202001 (U.P.) INDIA





## RESEARCH CENTRE Chandrashekhra Bhawan, New Delhi

**INDIA NON JUDICIAL**  
Government of National Capital Territory of Delhi

**e-Stamp**

Certificate No.	FD-DL3700855090505650
Certificate issued Date	18-Jul-2022 12:15 PM
Account Reference	IMPACO (PVT) 0700003 DELHI/ DL/DH
Unique Doc. Reference	51819-DL-DL3700855090505650 11420
Purchased by	YUVA BHARTI TRUST NEW DELHI
Description of Document	Article of Memorandum of Settlement
Property Description	Not Applicable
Consideration Price (INR)	0
Stamp Duty	1000
Stamp Duty Paid By	YUVA BHARTI TRUST NEW DELHI
Stamp Duty Amount (INR)	1000

First Party: YUVA BHARTI TRUST NEW DELHI  
Second Party: CENTRE FOR NARENDRA MODI STUDIES ALGARHI MITAR PRADESH  
Stamp Duty Paid By: YUVA BHARTI TRUST NEW DELHI

Stamp Duty Amount (INR): 1000 (One Hundred only)

**NOTARY PUBLIC**  
R. P. KUMAR  
Reg. No. 1309/24  
27/09/2019  
GOVT. OF INDIA

**YUVA BHARTI TRUST**  
New Delhi

**NOTARY PUBLIC**  
R. P. KUMAR  
Reg. No. 1309/24  
27/09/2019  
GOVT. OF INDIA

**YUVA BHARTI TRUST**  
New Delhi

**NOTARY PUBLIC**  
R. P. KUMAR  
Reg. No. 1309/24  
27/09/2019  
GOVT. OF INDIA



## Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)

### VISION & MISSION:

The Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) is an independent TRUST and global objective institution to promote unbiased research and in-depth studies. It stands as a platform for dialogue and conflict resolution. (Registered Trust in Aligarh, UP, India) It strives to bring together the best available and possible minds in the country to ideate on key national and international issues, to promote initiatives that further the cause of peace and global harmony, to monitor social, economic and political trends that have a bearing on India's unity and integrity and to analyse the causes responsible for social and ethnic conflicts and leading to extremism as also offering policy alternatives, to interact with civil society and offer institutional support for exchange of ideas and interaction among conflicting groups, critique public policy and the working of democratic institutions and constitutional

bodies, and evolve benchmarks for good governance and efficiency in public institutions. These objectives fall under a broad head called 'nation-building' and often come within the purview of universities and institutions of higher learning. Regrettably, these academic bodies have failed grandly and gravely to rise to the task. Such a sordid development, it seems, is in some way responsible for the



perceived failure of representative bodies and the prevailing inefficiency in the state sector. CNMS believes that many of these institutions, which are central and crucial to our democratic polity, cannot be expected to work better, unless academia, think tanks and civil society engage with each other on a regular basis. Given its deep and abiding commitment to strengthening democracy and the emergence of a strong and self-reliant India, CNMS has embarked upon quality research in a host of areas in the hope that such studies will improve governance, strengthen national security, integrate India's foreign policy to the nation's long-term objectives and bring about much-needed functional efficiency in Parliament and other representative bodies as well as in public institutions.



## OBJECTIVES:

The Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) is an India based think-tank set up with the collaborative efforts of leading security experts, educators, civil servants and philanthropists under the aegis of the **NaMo Kendra** across the world. The CNMS's objective is to become a centre of excellence to kick start innovative ideas and thoughts that can lead to a stronger, secure and prosperous country, playing its destined role in global affairs.

Shri Narendra Modi is undoubtedly the architect of New India. The purpose of the Centre is to organize a number of programmes on the theme of life, thoughts and achievements of Narendra Modi as well as on subjects like New India, Aatmanirbhar Bharat, Sabka Sath-Sabka Vikas-Sabka Vishwaas, Indian democracy, nationalism, Indian's foreign policy and India's economic development. The Centre aims to organise a seminar on Narendra Modi Model after seventy-five years of India's Independence and seventy year of the Indian Constitution besides organising a number of workshops for college students, research scholars and teachers.

From the next academic year, the CNMS plans to introduce a few short term workshop's on New India & Aatmanirbhar Bharat, India's freedom movement and Indian democracy in the light of current problems. The Centre may introduce few inter-disciplinary courses in the present scheme of Credit System. The CNMS plans to bring out a number of publications on themes relevant to contemporary times. Historically, India has been a hub of knowledge and wisdom since ages. This knowledge reservoir can be seen and read in the form of Vedas, Panchatantra and numerous treatises on medicine, astronomy, mathematics, chemistry, logic, etc. which bear testimony to the power of the nation called India. Some of the oldest languages of the world are spoken in the country. All this indicates that India as a nation has the capacity to lead the world as the innovative ideas may emerge from this fountainhead of classical reservoir which will certainly illuminate the world.





### **ACADEMIC ACTIVITIES TO BE UNDERTAKEN:**

The Centre for Narendra Modi Studies (CNMS), is scheduled to play a pivotal role in this area in matters related to research such as:

- (a) Undertaking research in to the Narendra Modi model of nation-building.
- (b) Defining the parameters of the concept of secularism, liberal democracy, non-alignment, and social justice as spelled by Sh. Narendra Modi to enable policy-makers to make more effective policies.
- (c) Establishing inter-linkages with NGOs and academic institutions working in this area to provide authentic data and enhanced information to both policy-makers and public alike.

### **Thrust Areas of the CNMS**

- ❖ National Security and Strategic Studies
- ❖ International Relations/Diplomacy
- ❖ Neighbourhood Studies
- ❖ Governance and Political Studies
- ❖ Economic Studies
- ❖ Technological and Scientific Studies
- ❖ Historical and Civilisational Studies
- ❖ Political Philosophy of Narendra Modi;



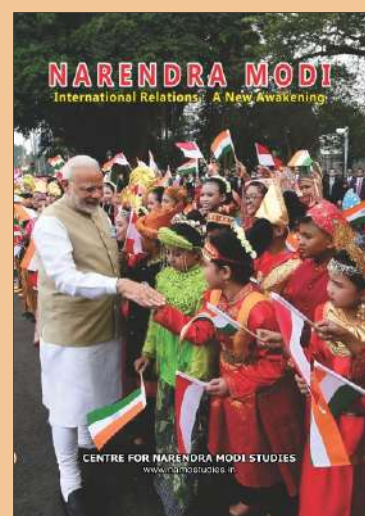
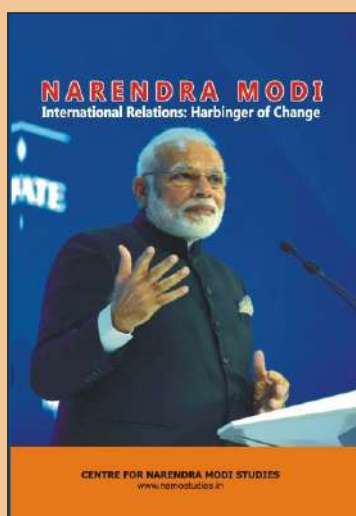
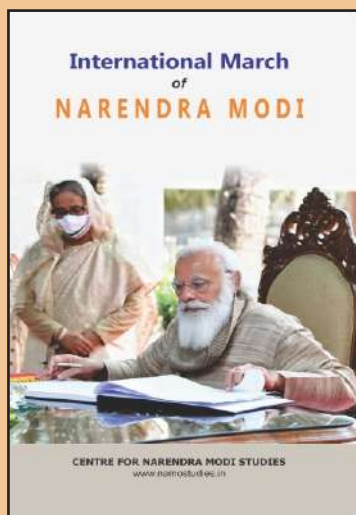
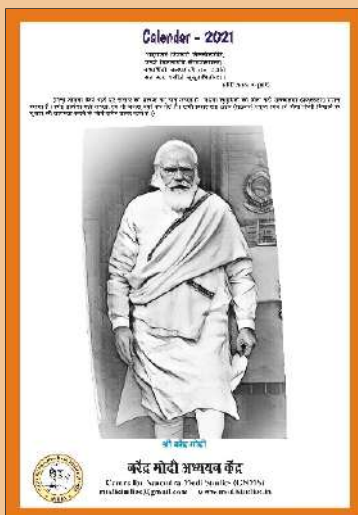
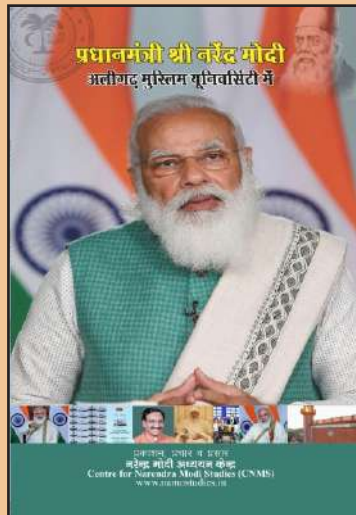


Prof. Jasim Mohammad, Chairman, Centre for Narendra Modi Studies presented his own books to Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi Ji

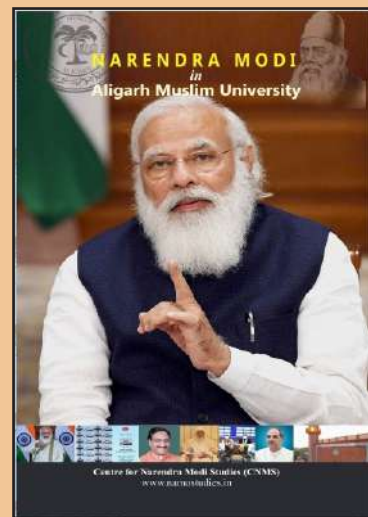
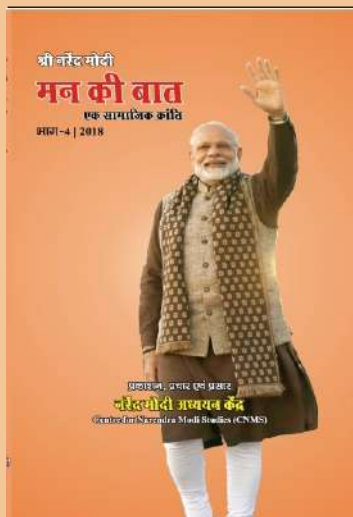
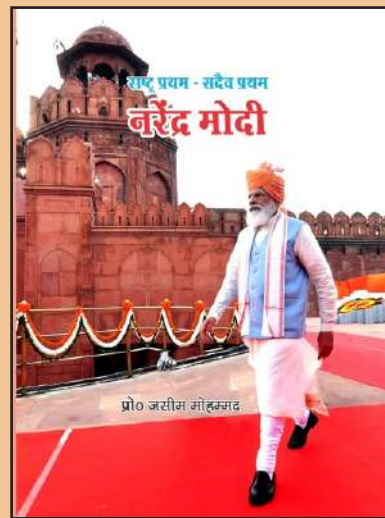
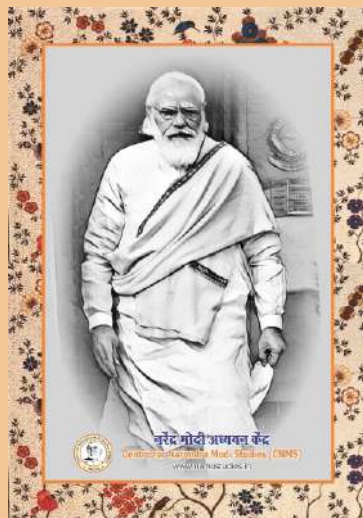
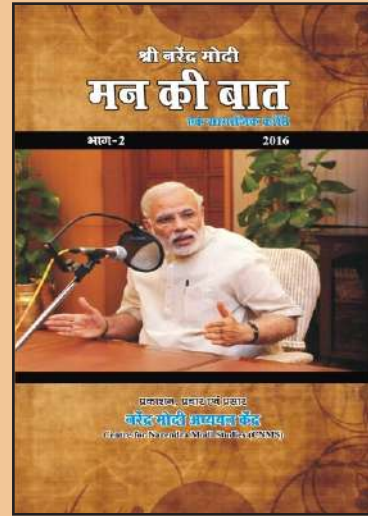
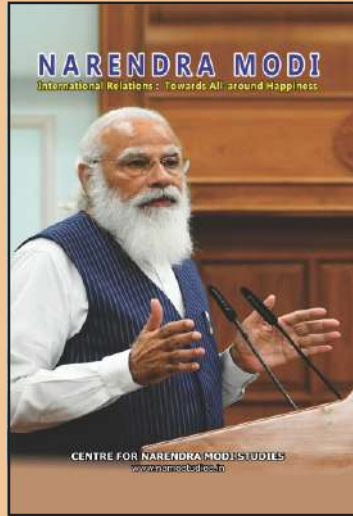
- ❖ Modi and Development of Democracy in New India;
- ❖ Narendra Modi and International Politics;
- ❖ Narendra Modi and new legislations to meet current challenges;
- ❖ Narendra Modi's 20-year achievements as an administrator during his tenure as an innovative administrator in the state and at the centre;
- ❖ Narendra Modi addressing to social tensions and conflicts;
- ❖ Narendra Modi's oratory as an illustration of his command over language;
- ❖ Narendra Modi's welfare schemes and their impact on the society;
- ❖ Narendra Modi as a futurist;
- ❖ Narendra Modi's place among world leaders;
- ❖ Narendra Modi's schemes for the welfare of minorities and dalits;
- ❖ Narendra Modi's wise policy for handling COVID-19;
- ❖ Narendra Modi's keen interest in the development of science and technology;
- ❖ Narendra Modi's patronage to nuclear scientists;
- ❖ How Narendra Modi has emerged as a trend-setter in all human spheres;
- ❖ Narendra Modi as a Parliamentarian;
- ❖ Any other issues, challenges threatening the unity of India.



## OUR PUBLICATIONS



## OUR PUBLICATIONS









15वीं पुण्य-तिथि के अवसर पर 'चन्द्रशेखर भवन' पर श्रद्धांजलि सभा





COMEDY IS NOT EASY:  
VARUN SHARMA  
10 VIVACITY

## Think tank named after Modi

A think tank named after PM Narendra Modi has been established to conduct research on his leadership, governance style and international diplomacy. Named as the Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) or NaMo Kendra, it has been set up as a public trust by professor Jasim Mohammad near the Law Faculty of Aligarh Muslim University.

Mohammad, who teaches Comparative Literature at Arunachal University of Studies, says that the centre will initially operate from Aligarh and will then be shifted to New Delhi. He adds that the centre can also be called 'NaMo Kendra'. To kickstart the activities of the centre and introduce it to the intelligentsia in the country and abroad, the CNMS has published more than 10 books on various themes of Modi's leadership like *International Relations: Harbinger of Change*, *International Relations: Herald of A New World Order*, *International Relations: A New Awakening*, *Collection of PM's Mann Ki Baat*, etc.

Elaborating further on the activities of the centre, Mohammad says that apart from holding seminars and conferences, from the next academic year, the CNMS plans to hold short-term workshops for college students and teachers on themes like *Atmanirbhar Bharat*, India's Freedom Movement, Democracy and the Constitution of India. Among other academic activities to be undertaken by it include the Narendra Modi Model of Nation-building, Defining Parameters of Concept of Secularism, Liberal Democracy, Non-alignment and Social Justice as spelt by Narendra Modi to enable and facilitate policy-



makers. "The centre will also create inter-linkages with NGOs and academic institutions to prepare and provide authentic data," he adds.

Mohammad says that the idea to establish the CNMS struck him last year when the nation celebrated the 70th birthday of PM Modi. "It came to my mind that when personalities like Swami Vivekananda, Deendayal Upadhyay, Ambedkar, Jawaharlal Nehru has institutions named after him, why shouldn't we start an institution to celebrate the leadership of Narendra Modi and other aspects of nation building," he adds.

A website namostudies.in has also been created to provide a gateway

into the CNMS for readers. Apart from doing research on the leadership of Narendra Modi, the CNMS is out to explore ideas relating to National Security and Strategic Studies, International Relations/Diplomacy, Neighbourhood Studies, Governance and Political Studies, Economic Studies, Technological and Scientific Studies, Mother tongue studies and Historical and Civilisational Studies. Mohammad is also trying to approach former bureaucrats, diplomats, academics, editors, researchers and other experts to join the CNMS and contribute as researchers. "I am sure we'll soon have a dedicated and robust team," says he.

# THE TIMES OF INDIA

MUMBAI | FRIDAY, FEBRUARY, 12, 2021

## Ex-AMU media consultant sets up NaMo study centre

TNN | Feb 12, 2021, 11:32 AM IST

**MUMBAI:** Former media consultant at Aligarh Muslim University (AMU) Jasim Mohammad has established the Centre for Narendra Modi Studies (CNMS), a think-tank in Aligarh to promote peace and harmony. Aimed also at amplifying the "Narendra Modi Model" of growth and development, the Centre will hold seminars and symposiums and conduct research and studies on Modi's pet projects like Aatmanirbhar Bharat, Sabka Saath, Sabkaa Vikas, Sabka Vishwas.

"There are Centres of Nehru, Ambedkar, Vivekanand, Deen Dayal Upadhyay Studies. They all have their own values but a Centre for Narendra Modi Studies is a must because Modi symbolizes a new India, an India which is strong, self-reliant and forward looking," said Centre's chairman Mohammad who has already got CNMS as a public trust. This can also be called "NaMo Kendra or NaMo Centre" and its area of operations is global. So, it can hold a meeting or conference anywhere in the world but focus will be on how to popularize the thoughts and ideas of Narendra Modi.

Apart from holding seminars and conferences, from the next academic year the Centre plans to hold short-term workshops for college students and teachers on themes like atmanirbhar bharat, India's freedom movement, democracy and the Constitution of India. Among other academic activities to be undertaken by the Centre include Narendra Modi model of nation-building, defining parameters of concept of secularism, liberal democracy, non-alignment and social justice as spelled by Narendra Modi to enable and facilitate policy makers. The Centre will also create inter-linkages with NGOs and academic institutions to prepare and provide authentic data. When asked if he will be labelled a "stooge" of Modi, Mohammad, a former director of Jamia Urdu in Aligarh, said: "I am not bothered about what others say. You are bound to ruffle a few feathers if you are going to do something new and unconventional. Many of those who oppose this initiative may join me later."



# CAREERS



## Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (CCAP) Yuva Bharti Trust (YBT)



### RESEARCH INTERNSHIP

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) and Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (Yuva Bharti Trust) are jointly recruiting three Research Interns. They can carry out research activities under the auspices and guidance of the CNMS Research Leadership Team. The ideal candidate must be a registered student in a university in India in the field of International Relations, Journalism and Mass Communications, Economics, Humanities, or other related subjects.

To apply, send an application email along with your resume and contact details to the Director (Academic), Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) at [officechairman7@gmail.com](mailto:officechairman7@gmail.com)

### RESEARCH ASSOCIATE

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) and Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (Yuva Bharti Trust) are jointly recruiting Research Associates in the field of Social Sciences. They can carry out research activities under the auspices of the CNMS research team. Applicants should ideally have a postgraduate degree in any field of social science. These are also voluntary positions.

To apply, send an application email along with your resume and contact details to the Director (Academic), Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) at [officechairman7@gmail.com](mailto:officechairman7@gmail.com)

### TECHNICAL ANALYST

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) and Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (Yuva Bharti Trust) are jointly recruiting two Technical Analysts. Applicants should ideally have/or be pursuing a technical degree such as engineering, statistics, AI and computer systems. They should have a deep interest in technical innovation.

To apply, send an application email along with your resume and contact details to the Director (Academic), Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) at [officechairman7@gmail.com](mailto:officechairman7@gmail.com)

### OPERATIONS ASSOCIATE

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) and Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (Yuva Bharti Trust) are jointly recruiting Operations Associates. They will be responsible for effective execution of various on-ground projects and program management of the CNMS. These are voluntary positions.

To apply, send an application email along with your resume and contact details to the Director (Academic), Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) at [officechairman7@gmail.com](mailto:officechairman7@gmail.com)

The CNMS (NaMo Kendra), CCAP (YBT) will provide academic guidance, visibility, networking opportunities and certificates for the work done in the first three months. On successful completion of the internship, the Center will assist in placement and absorption of highly motivated candidates.

**APPLY FOR INTERNSHIP: [officechairman7@gmail.com](mailto:officechairman7@gmail.com)**

**PROF. JASIM MOHAMMAD**  
Chairman CNMS

**PROF. H.N. SHARMA**  
Secretary General, YBT

Academic Directors:

**PADMA SHRI AWARDED PROF. (DR) RAVINDRA KUMAR | PROF. S N TIWARI**  
**MR ANIL MAHESHWARI | PROF (DR) DIVYA TANWAR | DR DAULAT RAM SHARMA**

**Study Centre: Chandra Shekhar Bhawan, 13-B, Vishnu Dighambar Marg, Deen Dayal Upadhyay Marg (Rouz Avenue), New Delhi**  
**Regd. Office: Namo Kendra, 29, Ground Floor, Muzzamil Complex, Dodhpur, Civil Lines, Aligarh**  
**Study Centre: Namo Kendra, Study Centre, Qila Enclave, Ramgarh- Panjpur, Aligarh**

[Facebook](https://www.facebook.com/namostudies) [Instagram](https://www.instagram.com/namostudies) [LinkedIn](https://www.linkedin.com/company/namostudies) [www.namostudies.com](https://www.namostudies.com)

## REMEMBERING CHANDRA SHEKHAR'S VISION FOR THE RURAL ECONOMY

If alive, former Prime Minister Chandra Shekhar would have been 95 last Sunday, 17 April. Three days before that eventful day, Prime Minister Narendra Modi inaugurated the Pradhan Mantri Sangrahalaya, the Prime Ministers' Museum in New Delhi. The museum is a tribute to all the Prime Ministers of the country to date, irrespective of their ideology or tenure, and their significant contribution towards nation-building. One of the goals of such a place is to sensitize and inspire the younger generation about India's Prime Ministers, their leadership, vision, and achievements. But

more than that, the museum also takes a look at the journey which took India to where we are today. This assumes even greater significance as India marks 75 years of its independence. The mega celebration campaign, 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' has introduced us to the pathway of 'aatmanirbharta' or self-reliance. In this context we can say that though his term was short, the then PM Chandra Shekhar had a vision of self-reliance. His vision was to strengthen the rural economy and agro cooperative movement to make India's poor self-reliant and independent.

This is an appropriate time to acknowledge Chandra Shekhar's vision for promoting the rural economy through the cooperative movement, which is necessary for rural entrepreneurship. Chandra Shekhar had a short stint as a Prime Minister but played long innings as a parliamentarian. Little wonder that several significant decisions designed the country's future course during his time. In a well-known compilation of "Dynamics of Social Change," he discussed his idea of self-reliance and promoting the rural economy in a developing country.



India's former Prime Minister Chandra Shekhar

In a famous marathon walk (the Padayatra) from Kanyakumari in the extreme South to Rajghat in New Delhi, covering about 4260 km, Chandra Shekhar,

as a "young Turk", renewed his rapport with the rural masses and understood the pressing problems in the country. Then he aggressively pushed for agro-based industries through cooperative movements such as Khadi Gram Udyog in India. During one of his speeches in the Rajya Sabha in 1965, he talked about ways to strengthen the agro-industries "The biggest problem in our country today is that we do not come forward openly to find a solution to the country's problems. I feel that the Agricultural Co-operative Movement is basically a political movement. Still, I

feel that if the Cooperative Movement is associated with the agricultural sector, it will lead to fundamental changes regarding the property rights". The Cooperative Movement was aimed to increase the production of food grains in the interest of landowners having less than one acre of land. He mentions that there was no other way except the initiation of the Cooperative Movement to utilize the available scientific methods of agriculture and ensure the development of the small farmers. "The poor whose hopes were shattered and whose development was blocked will benefit," he

had regretted. Participating in the Resolution on Agricultural Cooperatives" in 1964, Chandra Shekhar also said, "The State will face a profound crisis if we do not make efforts to improve agriculture and agro-industries in the States." A great promoter of sustainable agriculture and rural economy, he paved the way by highlighting a roadmap for agri-based cooperative movements. As the country moves on the development pathway, the late Chandra Shekhar's vision of aligning the rural economy to self-reliance assumes great significance. -JASIM MOHAMMAD



On the occasion of former Prime Minister Chandra Shekhar's birth anniversary, the Centre for Narendra Modi Studies (CMS) organised a national seminar on sustaining India's climate and development in the post-pandemic era. Along with Kerala Governor Arif Mohammad Khan, chief guest, environmentalist Gopal Krishna, IGNCA chairman Ram Bahadur Rai, Sandhya Times' former editor Prof Suresh Sharma, and secretary of Yuva Bharti Trust HN Sharma are seen

RANJAN DIMRI | PIONEER

## साहस का बेहतरीन उदाहरण थे पूर्व पीएम चंद्रशेखर : आरिफ



नरेन्द्र मोदी अध्ययन केंद्र की एक दिवसीय राष्ट्रीय सगोष्ठी को संबोधित करते केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान • संस्था द्वारा उपलब्ध

जास, नई दिल्ली : केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर साहस का बेहतरीन उदाहरण थे। जैसा कि नेता का काम भीड़ का विरोध करके भी भीड़ को सही रास्ता दिखाना होता है, चंद्रशेखर इसी प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। वह जब किसी बात या व्यक्ति का समर्थन करते थे तो दुश्मनों को छोड़िए, दोस्तों के भी नाराज होने की परवाह नहीं करते थे।

आरिफ मोहम्मद खान इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती के उपलक्ष्य में

सस्टेनिंग इंडियाज क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट इन द पोस्ट पैंडेमिक एरा विषय पर आयोजित सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन युवा भारती ट्रस्ट के सहयोग से चंद्रशेखर सेंटर फॉर अप्लाइड पॉलिटिक्स और सेंटर फॉर नरेन्द्र मोदी स्टडीज (सीएनएमएस) द्वारा किया गया।





# नेशनल एक्सप्रेस

दैनिक

Date: 23/04/2022 | Page No. :01 | www.nationalexpress.co.in

## साहस का बेहतरीन उदाहरण थे पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर : राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान



नैरलत एक्सप्रेस द्युको

नई दिल्ली। पूर्वप्रधानमंत्री चंद्रशेखर साहस के बेहतरीन उदाहरण थे। वह ऐसे नेता थे जो भीड़ का विरोध करने भी भीड़ को खींच सकते थे। चंद्रशेखर ऐसे प्रवृत्ति के नेता थे। ये कथन केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की जयंती के अवसर पर नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), चंद्रशेखर सेंटर फॉर अकादमिक पॉलिटिक्स एवं युवा भारती इस्ट इंडिया अकादमी गण्डीप सेमिनार में 'महामंत्री के बाद के युग में भारत को जलवायु और विकास को बनाए रखना' विषय पर हो रहे थे। केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि जब चंद्रशेखर जी किसी बात या किसी इंसान का सम्मान करते तो दुश्मनों को छोड़िए, दोस्तों के भी नजरबंदी की परवाह नहीं करते थे। परकीरण संरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने डॉक्टर गोपाल कृष्ण के बानों की सहायता ली।



गोपाल कृष्ण ने युवाओं में तो यह जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने और चंद्रशेखर जी की अनुसंधान को जोड़ने का काम है, जलवायु के लिए पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी के साथ जो आठ बुनियादी तत्व होने को आवश्यक है। इतिहास में भी चंद्रशेखर जी के अर्थशास्त्री राम बहादुर राय जी ने अर्थशास्त्र को हार संस्थाओं के परीक्षकों को कर्तव्य देते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी के निपटारे के बाद उनकी ऐसी जयंती पहली बार मनाई जा रही है। उन्होंने चंद्रशेखर जी के कुछ अनुसंधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर जी की जीवन को भारत के युवाओं को अपनाने चाहिए। युवा भारती इस्ट इंडिया पी एम प्रसन्न जी ने चंद्रशेखर जी के खतों को खोला। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर जी के सहकारी आंदोलनों के विकास मंडल और आर्थिक संस्था में इसकी प्रसिद्धि का बेहतरीन उदाहरण है।



अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर जी की आत्मकथा जिसे संपादन में श्री राम बहादुर राय जी ने किया था। श्री राम बहादुर राय जी की पुस्तक 'हारी के सचल' पुस्तक का लोकप्रिय केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान द्वारा किया गया। श्री जयशंकर मोहम्मद खान केरल के राज्यपाल जी को चंद्रशेखर जी का डॉक्यूमेंटरी स्मृति भेंट किया गया। श्री पीएस प्रसाद जी द्वारा पर्यवरणविद डॉक्टर गोपाल कृष्ण को स्मृति भेंट की गई। युवा भारती इस्ट इंडिया के सचिव डॉक्टर एचएन रामां द्वारा अतिथियों को धन्यवाद देते हुए युवा भारती इस्ट एवं नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र द्वारा एक साथ शोध कार्य करने का रूपरेखा पर अपने बात कही। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की

प्रशंसा करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विमलाकुमार देवा के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान को स्वीकार करते हैं, और उन्होंने भारत के विकास पथ को कैसे आकार दिया है। ऐसे समय में सभी के सभी प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए, पीएम संहायकता का उद्घाटन किया गया। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र संपूर्ण श्री जयशंकर मोहम्मद अतिथियों का स्वागत किया गया। राज्यपाल महोदय द्वारा इस कार्यक्रम में इस विषय पर भाग लेने वाले अतिथियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया जिसमें श्री दिव्या तेंकर, प्रो नीलम महालक्ष्मी, इन्दिरा पुर के संसदक एम एस आरिफ, पञ्जाब इन्फो अकादमी, दिल्ली शर्मा, डॉक्टर एनडी कुमारी, अलीगढ़ चिकित्सक स्कूल के डॉक्टर देवल राम शर्मा, जयदेव खन्ना, इमरान गुलाबी, सुविधा खन्ना, तनुमिष, कुन्दन झा, दीपिका सिंह, आरिफ खाना को सम्मानित किया गया।

# सियासी तफ़दीर

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

12 नई दिल्ली, 23 अप्रैल 2022 दिल्ली इकाई

## आरिफ मोहम्मद खान बोले साहस का बेहतरीन उदाहरण थे पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर

प्रो जसीम मोहम्मद द्वारा केरल के राज्यपाल जी को चंद्रशेखर जी का डॉक्यूमेंट स्मृति भेंट किया गया

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर साहस के बेहतरीन उदाहरण थे। वह ऐसे नेता थे जो भीड़ का विरोध करने भी भीड़ को खींच सकते थे। चंद्रशेखर ऐसे प्रवृत्ति के नेता थे। ये कथन केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की जयंती के अवसर पर नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), चंद्रशेखर सेंटर फॉर अकादमिक पॉलिटिक्स एवं युवा भारती इस्ट इंडिया अकादमी गण्डीप सेमिनार में 'महामंत्री के बाद के युग में भारत को जलवायु और विकास को बनाए रखना' विषय पर हो रहे थे। केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि जब चंद्रशेखर जी किसी बात या किसी इंसान का सम्मान करते तो दुश्मनों को छोड़िए, दोस्तों के भी नजरबंदी की परवाह नहीं करते थे।



गण्डीप सेमिनार में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की जयंती के अवसर पर प्रो जसीम मोहम्मद द्वारा राज्यपाल जी को चंद्रशेखर जी का डॉक्यूमेंट स्मृति भेंट किया गया। प्रो जसीम मोहम्मद ने कहा कि चंद्रशेखर जी के निपटारे के बाद उनकी ऐसी जयंती पहली बार मनाई जा रही है। उन्होंने चंद्रशेखर जी के कुछ अनुसंधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर जी की जीवन को भारत के युवाओं को अपनाने चाहिए। युवा भारती इस्ट इंडिया पी एम प्रसन्न जी ने चंद्रशेखर जी के खतों को खोला। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर जी के सहकारी आंदोलनों के विकास मंडल और आर्थिक संस्था में इसकी प्रसिद्धि का बेहतरीन उदाहरण है।



अतिथियों को सफल देते हुए युवा भारती इस्ट एवं नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र द्वारा एक साथ शोध कार्य करने का रूपरेखा पर अपने बात कही। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विमलाकुमार देवा के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान को स्वीकार करते हैं, और उन्होंने भारत के विकास पथ को कैसे आकार दिया है। ऐसे समय में सभी के सभी प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए, पीएम संहायकता का उद्घाटन किया गया। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र संपूर्ण श्री जयशंकर मोहम्मद अतिथियों का स्वागत किया गया। राज्यपाल महोदय द्वारा इस कार्यक्रम में इस विषय पर भाग लेने वाले अतिथियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया जिसमें श्री दिव्या तेंकर, प्रो नीलम महालक्ष्मी, इन्दिरा पुर के संसदक एम एस आरिफ, पञ्जाब इन्फो अकादमी, दिल्ली शर्मा, डॉक्टर एनडी कुमारी, अलीगढ़ चिकित्सक स्कूल के डॉक्टर देवल राम शर्मा, जयदेव खन्ना, इमरान गुलाबी, सुविधा खन्ना, तनुमिष, कुन्दन झा, दीपिका सिंह, आरिफ खाना को सम्मानित किया गया।

# नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र ने अनुसंधान सहायक व इंटर्न के लिए दिया आमंत्रण

❖ शोध कार्य को सही दिशा युवा ही दे सकते हैं, एएमयू - जेएनयू - जामिया मिल्लिया और डीयू के छात्र छात्राओं को प्राथमिकता देंगे : प्रो जसीम मोहम्मद



अनुसंधान सहायकों को उनके शैक्षणिक शोध कार्य के लिए प्रति माह पांच हजार रुपया का मासिक पारिश्रमिक प्राप्त होगा। इंटरनशिप एक स्वैच्छिक पद है।

इंटरन छात्र छात्राओं को सोशल मीडिया संचार में तीन महीने के लिए रखा जाएगा। विद्वानों, सहायक अनुसंधानों को उनके शैक्षणिक कार्यों में सहायता करते हुए शोध लेखन कार्य सिखाया जाएगा। सफल समापन पर वे एक कार्य प्रमाण पत्र के हकदार होंगे। आवेदन करने के लिए, अपने बायोडाटा और संपर्क विवरण के साथ एक आवेदन ईमेल करें :

निदेशक (अकादमिक), सेंटर फॉर नरेंद्र मोदी स्टडीज के ईमेल पर [directorcnms@gmail.com](mailto:directorcnms@gmail.com), [modistudies@gmail.com](mailto:modistudies@gmail.com) या इस नंबर पर व्हाट्सएप: +91-99970 63595 कर सकते हैं।

अध्ययन केंद्र का कार्य नई दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित अध्ययन केंद्र, अलीगढ़ के पंजीपुर रामगढ़ स्थिति नमो केंद्र एवं निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली के शाखाओं में होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2022 है।



सबमें राम, सबके राम  
राम काज हेतु जीवन अब कहाँ विश्राम।  
राम काज कीजे बिना, मोहे कहाँ विश्राम॥  
— श्री नरेंद्र मोदी



नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र

**Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)**

Chandhrashekhar Bhawan, 13 B, Vishnu Digamber Marg, Rouz Avenue, New Delhi-110002 (INDIA)

Reg. Office: 29, GF, Muzzammil Complex, Dodhpur, Civil Lines, Aligarh-202001 (UP) INDIA

Study Centre: 'NaMo Kendra', Qila Enclave, Ramgarh-Panjoopur, Aligarh-202001 (U.P.) INDIA

 modistudies@gmail.com,  directorcnms@gmail.com |  www.namostudies.com

 99970 63595 |    @namostudies

**PAN- AACTC8825B**